प्रेस विज्ञप्ति

19 फरवरी, 2017

रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी; श्री संजय निरूपम, प्रेसिडेंट, मुंबई प्रदेश कांग्रेस कमेटी; श्री संजय झा, प्रवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी तथा एस चरण सिंह सप्रा, नेशनल मीडिया पैनलिस्ट, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

भाजपा–सेना के कुशासन के 20 साल यानि 'खतम' – 'खत्म होता इन्फ्रास्ट्रक्चर', 'तहस नहस जनसेवाएं' एवं 'मृतप्राय शहरी विकास'

भाजपा–सेना गठबंधन एक मक्कार गठजोड़ यानि मक्कारशादीडॉटकॉम

'फड़नवीस के जुमला मॉडल' के भंडाफोड़ का समय आ गया

देश के कुल इंकम टैक्स का 33% या 2,00,000 करोड़ से अधिक अकेले **'मुंबई'** देता है। **'बीएमसी'** का कुल वार्षिक बजट 37,052 करोड़ रु. व फिक्स्ड डिपॉज़िट में 51,000 करोड़ रु. अतिरिक्त जमा है। यह बजट देश के कई छोटे व मध्यमदर्जीय राज्यों से अधिक है। इसके बाद भी **शिवसेना–भाजपा** ने 20 सालों के **'भ्रष्ट प्रशासन', 'भयंकर कुप्रबंध' तथा 'भीषण भ्रष्टाचार'** ने मुंबई की आत्मा को **'षडयंत्रकारी कुशासन'** के घावों से लहु–लुहान कर दिया है। **'सेना–भाजपा कुप्रशासन'** के 20 सालों (1996–2016) का ब्यौरा है– **'खतम'** यानि 'खत्म होता इन्फ्रास्ट्रक्चर', 'तहस नहस जनसेवाएं' एवं 'मृतप्राय शहरी विकास'।

भाजपा–शिवसेना गठबंधन लगातार भोले–भाले नागरिकों को ठगता आया है। एक बार फिर भाजपा, शिवसेना को **'भ्रष्ट'** तथा शिवसेना, भाजपा को **'भारतीय गुंडा पार्टी'** कहकर लोगों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। पर एक दूसरे के लिए बोली जाने वाली ज़ुबान असली में **'कड़वा सच'** है। **यह वास्तव में एक सत्तालोलुप–सिद्धांतहीन–अनैतिक गठजोड़ है।** भाजपा अध्यक्ष, **श्री अमित शाह** के कल के बयान में तो इस **'मक्कार गठजोड़'** की पोल खुल गई, जब उन्होंने कहा, "हम (सेना और भाजपा) सरकार में मिलकर काम कर रहे हैं और हम मिलकर काम करते रहेंगे। ठाकरे हमारी निंदा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि चुनाव का समय है। भाजपा नेता भी इसीलिए सेना के खिलाफ बोल रहे हैं।" हाल में बॉलिवुड में नई फिल्म, **रनिंगशादीडॉटकॉम** रिलीज़ हुई है। **भाजपा सेना का यह गठबंधन को सही मायनों में 'कनिंगशादीडॉटकॉम' (मक्कारशादीडॉटकॉम) है।**

भाजपा–सेना दिखावे के लिए तो एक दूसरे से 'तलाक़' का ढोंग करते हैं, लेकिन असल में बीएमसी की 'सत्ता और संसाधन' मिलबांटकर भोगते हैं। क्या यह सच नहीं कि आज भी भाजपा की **कु. अलका केरकर डिप्टी मेयर** के पद पर शिवसेना की मदद से चुनी व बनी हुई हैं? क्या शिवसेना के **यशोधर फांसे** भाजपा के समर्थन से **स्टैंडिंग कमेटी** (जिसे बीएमसी के खजाने को बांटने का अधिकार है) के **चेयरमैन** नहीं चुने गए? मुंबई की **'शिक्षा व्यवस्था'** में गड़बड़झाले का जिम्मेदार कौन है, जो सेना तथा भाजपा बारी–बारी से संचालित करती है और

क्या यही हाल **'बेस्ट'** का नहीं? क्या 30.11.2016 तक बीएमसी के 31,255 करोड़ रु. के कुल बजट का 26% भी खर्च व उपयोग न कर पाना सेना–बीजेपी के **'निकम्मेपन'** को साबित नहीं करता? क्या मुख्यमंत्री, श्री देवेंद्र फड़नवीस ने अपने विश्वासपात्र अधिकारी, श्री अजय मेहता को बीएमसी का **'कमिश्नर'** नियुक्त नहीं किया, ताकि वो **'पर्दे के पीछे'** से बीएमसी का शासन चला सकें? **क्या भाजपा–सेना एक दूसरे के गुनाहों से खुद को बेदाग साबित कर सकते हैं?**

समय आ गया है कि भाजपा–सेना गठजोड़ आम **'मुंबईकर'** के साथ **'पाखंड', 'धोखेबाजी' एवं 'दोगुलेपन'** का घिनौना खेल बंद करें क्योंकि मुंबई व महाराष्ट्र की जनता ने इस झूठे **'तलाक़'** तथा **'आडंबरकारी षडयंत्र'** का नज़ारा **'कल्याण डॉम्बीवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन'** के चुनाव में अक्टूबर/नवंबर, 2015 में देखा है। **''चुनाव से पहले 'तलाक़ हो जाई'– चुनाव के बाद 'एक हो जाई''''** के साजिश और धोखे को **'बीएमसी'** में न दोहराएं। **क्या 'भाजपा–शिवसेना' मुंबईवासियों को यह वचन देते हैं कि वो बीएमसी चुनाव के बाद 'सत्ता हथियाने' व 'संसाधन भोगने' के लिए फिर एक दूसरे से नहीं मिल जाएंगे और 'मक्कारशादीडॉटकॉम' का अपना घिनौना खेल नहीं खेलेंगे?**

दूसरी ओर मुंबई में भाजपा के बड़े–बड़े होर्डिंग्स लगे हैं, जिसमें श्री देवेंद्र फड़नवीस कह रहे हैं, **'ये मेरा शब्द है'**। **फड़नवीस** के **जुमला मॉडल** का भंडाफोड़ करने का समय आ गया है। **'सच्चे शब्द'** के नाम पर परोसे जा रहे **'झूठ का पर्दाफाश'** करने के लिए भाजपा को **'सच्चाई का आईना'** दिखाना होगा।

1. **ये 'मेरा शब्द' है कि – जो चाहे कर ले भ्रष्टाचार,**

नहीं करेंगे कार्यवाही मेरे यार!

श्री देवेंद्र फड़नवीस के लिए **'पारदर्शिता'** का अर्थ है, गलत काम के हर आरोपी को **'क्लीन चिट'** देना। क्या श्री फड़नवीस इस बात का उत्तर देंगे कि उन्होंने, कु. पंकजा मुंडे, श्री विनोद तावड़े, श्री जयकुमार रावल, श्री सांभाजी पाटिल निलांगेकर, श्री रविंद्र चावान, श्री गिरीश महाजन, श्री चंद्रशेखर बवानकुले, श्री गिरीश बापट आदि के खिलाफ कार्यवाही करने की बजाए उनका बचाव क्यों किया? श्री एकनाथ खड़से के खिलाफ की जा रही जांच का क्या हुआ? कु. प्रीतम मुंडे, सांसद के वैद्यनाथ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के वाहन से जब्त किए गए 10.10 करोड़ रु. तथा महाराष्ट्र को–ऑपरेटिव मंत्री, श्री सुभाष देशमुख के वाहन से जब्त किए गए 92 लाख रु. के मामलों का क्या हुआ?

4500 से ज्यादा मामले लंबित हैं, लेकिन फिर भी 'पारदर्शी देवेंद्र फड़नवीस', **'लोक आयुक्त'** की नियुक्ति नहीं कर रहे। यह नेता की नीयत को दिखाता है।

2. **ये 'मेरा शब्द' है कि – विकास की राह में खड्डे बढ़ेंगे,**

और लोग अपनी जेबें भरेंगे!

शहरी विकास के मायने मुंबई में मात्र झुग्गी पुनर्वास परियोजनाओं में बिल्डर्स लॉबी के लिए **'एफएसआई में बदलाव'** या पेट्रो उत्पादों पर **'उपकर लगाने'** तक सीमित हो गया है।

एमएमआरडीए को बजट के आवंटन से भाजपा की प्रतिबद्धता की कमी साफ झलकती है। सन 2014–15 में, भाजपा ने एमएमआरडीए को केवल 4,240 करोड़ रु. दिए। सन 2016–17 में बीएमसी के चुनावों के मद्देनजर इसे बढ़ाकर 6,647 करोड़ रु. तो कर दिया गया पर उपयोग कितना होगा, इसमें भारी संदेह है। लेकिन फिर भी यह बहुत कम है क्योंकि कांग्रेस ने सन 2010–11 में एमएमआरडीए को 6,143 करोड़ रु. दिए थे। इसी तरह सन 2016–17 में मुंबई तथा अन्य शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्यकेंद्रों को केवल 233 करोड़ रु. का आवंटन किया गया, जबकि 5 साल पहले सन 2011 में कांग्रेस ने 250 करोड़ रु. का आवंटन किया था।

सड़कों पर गड्ढों, नालियों की सफाई, डंपिंग ग्राउंड तथा टेबलेट घोटालों के साथ **बीएमसी में कई घोटालों** के आरोपों के बावजूद **1,00,000 करोड़ रु. से ज्यादा पैसे का आज तक कोई ऑडिट** नहीं किया गया है।

3. ये 'मेरा शब्द' है कि – अपराधियों की चलेगी सीनाजोरी,

कमजोर सरकार दिखाएगी मजबूरी!

श्री फड़नवीस सरकार में अपराध बेलगाम है और मुंबई **महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में** देश में सबसे अगले पायदान पर है। **छेड़खानी के मामले 77.5%** बढ़े, **बलात्कार के मामले 18%** बढ़े, **बच्चों के खिलाफ अपराध 20%** बढ़े, तथा **दंगों में 28% की** बढ़ोत्तरी हुई। गोविंद पंसारे जैसे 'तर्कवादियों' पर हमला एवं हत्या, 'कोपर्डी रेप केस' में लापरवाही कुप्रशासन के अन्य बड़े उदाहरण हैं। **सबसे बड़े दुख की बात तो यह है कि मुख्यमंत्री, श्री फड़नवीस अब स्वयं 'सुपारी समझौता' करवाते हैं, जैसा कि फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' में साबित हुआ।**

4. ये 'मेरा शब्द' है कि – मैं सच नहीं बोलता,

और सच्चाई को नहीं खोलता!

हाईकोट की नागपुर बेंच में दायर एक याचिका में इल्ज़ाम है कि मुख्यमंत्री, श्री देवेंद्र फड़नवीस ने स्वयं दिनांक 26.09.2014 को **एक असत्य चुनावी शपथपत्र** दिया, जिसमें उनके खिलाफ चल रहे दो अपराधिक मामलों/शिकायतों की जानकारी तक नहीं दी गई। यदि ये आरोप साबित हो जाते हैं, तो उनके विधायक रहने में भी संदेह है। **क्या मुंबईवासियों को** ऐसे व्यक्ति के **'शब्द'** पर भरोसा करना चाहिए, यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है?

भाजपा–सेना गठबंधन के 20 सालों के कुशासन को देखते हुए एक पुराने बॉलिवुड गाने को फिर से लिखे जाने की जरूरत है :–

"ऐ दिल है मुश्किल जीना यहाँ,
सेना से बचके, BJP से हटके,
और कांग्रेस से जुड़के,
बचेगी मुंबई मेरी जान"